सत्र IV

काव्य- धारा

१.	मैथिलीशरण गुप्त	१)	सखि वे मुझसे कह कर जाते
		२)	नर हो, न निराश करो मन को
२.	गिरिजा कुमार माथुर	१)	माटी और मेघ
		२)	बौनों की दुनिया
३.	सुर्यकांत त्रिपाणी निराला	१)	सरस्वती वंदना
		२)	वह तोडती पत्थर
४.	महादेवी वर्मा	१)	जो तुम आ जाते एक बार ।
		२)	क्या पूजा क्या अर्चन रे ।
५.	भवानी प्रसाद मिश्र	१)	गीत फरोश
		२)	दैनिक

पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम

१) विज्ञापन लेखन

२) साक्षात्कार लेना एंव देना

३) भाव पल्लवन

४) कविता रचना

५) वाक्य शुध्दीकरण (वर्तनी के अनुसार)

६) पारिभाषिक शब्दावली (प्रशासनिक)

Sandhya Taide
2/3/20